

संख्या ४५३/१३-२-०८-१५/२(३)/०७ टी०सी०।।

प्रेसक्र.

नागेश्वर नाथ उपाध्याय,

प्रमुख सचिव,

सत्तर विदेश शासन।

संदर्भ

- १— समस्त प्रभुर्ब अचिव / सचिव,
सत्तर विदेश शासन।
- २— समस्त विभागिकाल
उदार प्रदेश।
- ३— समस्त बज़लीयपटा,
उदार प्रदेश।
- ४— समस्त जिलाधिकारी,
उदार प्रदेश।
- प्रशासनिक उदार अनुभाग-२ लखनऊ दिनांक ५ जुलाई, २००८।

विषय: लोक प्राधिकरण द्वारा सूचना का आधिकार अधिनियम-२००५ की विधा-४ (१) वी के अतागत कार्यवाही किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय

उपर्युक्त विषयक मुख्य सचिव महोदय की ओर से निर्गत पत्राक ५६३/१३-२-२००८-१५/२(३)/२००७ टी०सी०, दिनांक ०६ जून, २००८ का सदर्भ राखा रखे। इसमें आपसे सूचना का अधिकार अधिनियम-२००५ की विधा-४ (१) वी के अतागत अपने-अपने विभाग के अधीन लोक प्राधिकरणों की उपर्युक्त अपनी अपनी विधिवत पत्र के साथ संलग्न प्रारूप पर (सी०डी० सहित) संदिग्ध (०) लाइ, २००८ तक उपलब्ध कराया जाना अपेक्षित था। किन्तु अभी भी उपलब्ध नहीं होता है। लोक प्राधिकरणों की सूचना (सी०डी० सहित) प्राप्त नहीं होती।

इस लोद्य में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि सूचना का अधिकार अधिनियम-२००५ की विधा-४ (१) वी के संबंध में अपने विभाग के अधीन जिन प्राधिकरणों द्वारा जनी तक कार्यवाही नहीं की गयी है उनसे उक्त विवरही कर कर अपने अधीन समस्त लोक प्रापिकरणों की अद्यावधिक सफलता सूचना (सी०डी० सहित) प्रशासनिक सुवार अनुभाग-२ को तत्काल उपलब्ध कराने का कट करें।

भवदीय

N. U. (ल)

(नागेश्वर नाथ उपाध्याय)

प्रमुख सचिव।